Addendum circular for incorporation of some information in Relevant Information and Part-wise Model Questions for TET-2023 (Primary) circular as given on 16.10.2023

Model questions for Nepali (Language-I)

(क) तल दिइएको अनुच्छेद पढ़नुहोस् अनि सठीक विकल्पको चयन गरी तलका प्रश्नहरूका उत्तर दिनुहोस् - (प्रश्न संख्या 1 देखी 2 सम्म):

एक दिन गौतम बुद्ध आफ्नो सारथीसंग देश भ्रमण गर्न निस्के। बाटामा तिनले तीन-चार दृश्यहरू देखे, जसले तिनको जीवनको गति नै बदलियो। पहिलो दृश्य—एक रोगी रोगले छटपटाइरहेका थिए। दोस्रो दृश्य थियो—एक मृत मानिसलाई उसका आफ्ना आफन्तहरूले काँधमा हालेर लगिरहेका। तेस्रो दृश्य थियो—एक सेताम्मे वृद्ध मानिस कुप्रिएर हिँडीरहेका औ चौथो दृश्य थियो—एक सन्न्यासी। प्रत्येक दृश्यले गौतमको मनमा कौतूहलता जाग्यो। तिनले आफ्नो सारथी चन्नालाई ती विषयमा सोधे। तब चन्नाले जवाब दिए—जीवन यस्तै छ अनि हामी सबैले एकदिन त्यही अवस्थामा पुग्नैपर्छ। चन्नाका यी शब्दहरू गौतमको हृदयमा तीर झैं भासिए। तब तिनी यो अनित्य आनन्द, अस्थिर जीवन र क्षणभङ्गुर वस्तुहरूका अपूर्णताको अनुभव गर्न लागे। तिनले सत्य र नित्यताको खोजी गर्ने निश्चय गरेर गृह त्याग गरे।

1. गौतमले के ज्ञान पाए?
(A) जीवन सत्य छ
(B) जीवन अपूर्ण छ
(C) जीवन रमाइलो छ
(D) जीवन क्षणभङ्गुर छ

2. सारथीको नाम के थियो?
(A) पन्ना
(B) खन्ना
(C) अन्ना
(D) चन्ना

(ख) तल दिइएको कवितांश पढ़ेर सोधिएका प्रश्नहरूको (प्रश्न संख्या 3–4 सम्म) उत्तर सही विकल्प छानेर दिनुहोस् :

(१)
''गरीब भन्छौ? सुखको मझैं धनी,
मिल्दैन संसारभरी कतै, पनी;
विलासको लालस दास छैन म,
मिठो छ मेरो रसिलो परिश्रम।

(२)
प्रयासका पत्थरमा नदीसरि
बहन्छु हाँसी म तरंगले भरी;
म पोखरी झैं उहि ठाउँ जम्दिनँ
छ शुद्ध यो जीवनको सबै कण।

(३)
निधार मेरो पसिना-जड़ाउ छ,
मोती तिनैको अनमोल भाउ छ;
छ शान्तिको सुन्दर दीप वासमा,
पीयूषको स्वाद छ गाँस-गाँसमा।''

3. 'प्रयासका पत्थरमा नदीसरि' भनेको के हो?
(A) नदी जस्तो निरन्तर अघि बढ़ने कोशिश गर्नु
(B) नदी जस्तो फैलनु
(C) पत्थर जस्तो हुनु
(D) नदी जस्तो जम्नु

4. 'गरीब' शब्दमा 'ई' प्रत्यय लगाउँदा 'गरीबी' शब्द बन्दछ। तब 'गरीबी' कस्तो शब्द हो?
(A) पुरुषवाचक सर्वनाम
(B) कर्ता कारक
(C) अव्यय
(D) भाववाचक संज्ञा

5. भाषा शिक्षणले निम्नलिखित कुरामा सरोकार राख्दछ :
(A) पढ़ाइ र लेखाइ
(B) केवल लेखाइ
(C) बोलाइ र लेखाइ
(D) सुनाइ, बोलाइ, पढ़ाइ र लेखाइ

Questions from previous examination (TET-2022)

PART—B

Language–I—Hindi

निर्देश : (31—39) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों और रूप चेष्टाओं का प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है और वे ही उसकी अभिव्यंजना के विषय बनते हैं, उसके मन में भाव उत्पन्न करते हैं। मनुष्य प्रकृति के नाना स्वरूपों को देखता है, उसके रूप-लावण्य से मुग्ध हो जाता है और उसमें भावों का उद्रेक होता है। इन्हीं भावों को वह अभिव्यक्त करने का प्रयास करता है और कला का जन्म होता है। इस दृष्टि से कला और प्रकृति का घनिष्ठ संबंध प्रकट होता है। प्रकृति के कुछ चित्र अपनी विशेषताओं के कारण अथवा मनुष्य की अभिरुचि के कारण उसे अपनी ओर आकृष्ट करते हैं और उसके मन में अंकित हो जाते हैं। मनुष्य उन्हीं चित्रों को कलाओं द्वारा अभिव्यक्त करता है। आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की ओर आकृष्ट होता आया है क्योंकि उससे उसकी वासनाओं की तृप्ति होती है। इस नैसर्गिक आकर्षण का परिणाम यह होता है कि मनुष्य प्रकृति के उन चित्रों को अपने हृदय के रस से सिक्त कर अभिव्यक्त करता है और वे ही भिन्न-भिन्न कलाओं के रूप में इसके हृदय को रसान्वित करते हैं। भारतीय साहित्य में इसे 'रस' कहते हैं। साहित्य के साथ ही साथ अन्य कलाओं से भी इसकी निष्पत्ति होती है। प्राकृतिक दृश्य को देखकर कलाकार के हृदय में भावना का उदय होता है। वह यदि उस भावना की तीव्रता अथवा स्थायित्व को वास्तविकता के साथ व्यक्त करने में समर्थ हो, तो उस अभिव्यक्ति से दर्शक, श्रोता अथवा पाठक समाज को भी उतनी तृप्ति हो सकती है, जितनी कलाकार की हुई थी जबकि उसका उस प्राकृतिक दृश्य के साथ साक्षात्कार हुआ था। कलाकार हृदय के माध्यम से साधारण जनता को प्रभावित करता है। वह जितना अधिक हृदय साम्य स्थापित कर सकेगा उतना ही सफल कलाकार माना जाएगा। कलाकार की अन्तरात्मा का सच्चा भाव उसकी कला वस्तु में निहित होता है। सहृदय पाठक को वही भाव रसान्वित करने में समर्थ होता है। यदि कलाकार का जीवन-संबंधी अथवा जगत्-संबंधी अनुभव सच्चा न हो तो वह उन्हें रीति से व्यक्त करने में समर्थ नहीं हो सकता और उसकी अभिव्यक्ति दोषपूर्ण होती है — सशक्त नहीं होती और मानव समाज उसकी कृति से तृप्ति अनुभव नहीं करता। यहीं कलाकार की सफलता है।

31. 'सशक्त' का विलोम शब्द क्या है?
(A) निरीह (B) व्यर्थ
(C) अशक्त (D) निर्बल

32. सफल कलाकार होने के लिए आवश्यक है—
(A) मन मस्तिष्क (B) चंचलता
(C) हृदय की समानता (D) वाग्विदग्धता

33. कलाकार की अन्तरात्मा का सच्चा भाव किस पर निर्भर है?
(A) प्राकृतिक दृश्य से (B) साहित्य के रस से
(C) कला वस्तु पर (D) रसानुभूति से

34. कलाकार किसे प्रभावित करता है?
(A) राजा को (B) कवि को
(C) नेता को (D) जनता को

35. कलाकार की अन्तरात्मा का सच्चा भाव किसमें निहित होता है?
(A) चित्र में (B) भाषा में
(C) कलावस्तु में (D) शिल्प में

36. 'नैसर्गिक आकर्षण' से क्या तात्पर्य है?
(A) तत्कालिक आकर्षण (B) अप्राकृतिक आकर्षण
(C) प्राकृतिक आकर्षण (D) भौतिक आकर्षण

37. भाव रसान्वित के लिए पाठक में कौन-सा गुण होना चाहिए?
(A) रसानुभूति की क्षमता (B) सहजवृत्ति
(C) सहृदयता और सहजता (D) तर्कक्षमता

38. प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक बताइए?
(A) प्रकृति और मानव
(B) कलाकार का अंतर और बाह्य जगत्
(C) प्रकृति मनुष्य की अभिव्यंजना है
(D) प्रकृति और मानव संबंध

39. मनुष्य की चेतना पर प्रभाव पड़ता है—
(A) प्रकृति के नाना रूपों का
(B) प्रकृति के रूप चेष्टा और विभिन्न स्वरूपों का
(C) प्रकृति के रूप लावण्य का
(D) प्रकृति के विभिन्न चित्र और विशेषताओं का

निर्देश : (40—45) निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आह वह मुख पश्चिम के व्योम
बीच, जब घिरते हो घन श्याम,
अरुण रवि-मंडल उनको भेद,
दिखाई देता हो छविधाम।

या कि, नव इंद्रनील लघु श्रृंग
फोड़ कर धधक रही हो कांत।
एक ज्वालामुखी अचेत
माधवी रजनी में अश्रांत।

घिर रहे थे घुँघराले बाल,
अंस, अवलंबित मुख के पास।
नील घनशावक-से सुकुमार,
सुधा भरने को विधु के पास।

और, उस पर वह मुस्कान,
रक्त किसलय पर ले विश्राम।
अरुण की एक किरण अम्लान,
अधिक अलसाई हो अभिराम।

40. अंस का अर्थ है
(A) हिस्सा (B) कंधा
(C) बाँहें (D) हाथ

PART—B

Language–I—Hindi

41. छविधाम शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
(A) मुख (B) नायिका
(C) बिजली (D) चंद्रमा

42. 'अभिराम' का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
(A) नायिका (B) मुस्कान
(C) हँसी (D) नेत्र

43. घन श्याम कौन है?
(A) कृष्ण (B) बलराम
(C) अंबर (D) काले बादल

44. 'अश्रांत' शब्द का अर्थ क्या है?
(A) चिंतित होना (B) बेचैन होना
(C) थका हुआ होना (D) न थका हुआ होना

45. 'नील घनशावक' शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
(A) आँखें (B) केश
(C) भौंहें (D) पलकें

निर्देश : (46—60) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरों में चार-चार विकल्प (A, B, C, D) दिए गए हैं। इनमें से सही विकल्प का चयन कीजिए।

46. वर्तनी संबंधी अशुद्धि का कौन-सा कारण नहीं है?
(A) अशुद्ध उच्चारण (B) सुलेख का अनभ्यास
(C) शब्द भण्डार की कमी (D) रूप रचना का अज्ञान

47. सुनने की योग्यता का संबंध इनमें से किसके साथ नहीं है—
(A) वक्ता के साथ सहानुभूति रखना
(B) बीच-बीच में अपने साथियों के साथ बातचीत करना
(C) मतभेद के बावजूद धैर्यपूर्वक सुनना
(D) मनोयोग पूर्वक सुनना

48. निम्नलिखित में से कौन-सी विधि रचना शिक्षण की विधि नहीं है?
(A) परामर्श विधि (B) भाष्य विधि
(C) रूपरेखा विधि (D) निर्देशन विधि

49. गद्य खण्ड में आप 'वसुंधरा' शब्द को कैसे समझाएँगें?
(A) मानचित्र द्वारा (B) प्रतिमूर्ति द्वारा
(C) रेखाचित्र द्वारा (D) पर्याय कथन द्वारा

50. निम्नलिखित में से कौन-सा कहानी का वर्ग नहीं है?
(A) यथार्थवादी (B) आदर्शवादी
(C) आदर्शोन्मुख यथार्थवादी (D) रसवादी

51. लिपि का सही ज्ञान एवं अभ्यास का उद्देश्य किस स्तर का है?
(A) प्रारम्भिक स्तर (B) पूर्व प्रारम्भिक स्तर
(C) उच्चतर माध्यमिक स्तर (D) उच्च स्तर

52. निम्नलिखित में से कौन-सा पाठ्य पुस्तक का गुण है?
(A) प्रयोजन (B) कुसंपादन
(C) अशुद्धता (D) संपादन

53. चित्रों का प्रश्न करके रचना का शिक्षण देना कौन-सी विधि है?
(A) शब्द प्रदान विधि (B) खेल विधि
(C) उद्‌बोधन विधि (D) चित्र रचना विधि

54. इनमें से कौन-सा मौखिक अभिव्यक्ति के अंतर्गत नहीं आता—
(A) कविता पाठ (B) भाषण
(C) सुलेख (D) वाचन

55. भारत के संदर्भ में हिन्दी का कौन-सा रूप प्रचलित नहीं है?
(A) मातृभाषा (B) राष्ट्रभाषा
(C) राजभाषा (D) विदेशी भाषा

56. हिन्दी में मूल्यांकन हेतु निम्नलिखित में से किस प्रकार के प्रश्न होना अनिवार्य है?
(A) केवल निबंधात्मक (B) केवल लघु उत्तरीय
(C) केवल वस्तुनिष्ठ (D) तीनों का समन्वित रूप

57. इनमें से कौन-सी विधि सस्वर वाचन की शिक्षा के अंतर्गत नहीं है—
(A) स्वरोच्चार विधि (B) देखो और कहो विधि
(C) साहचर्य विधि (D) खेल विधि

58. निम्नलिखित में से कौन-सी बोलने की योग्यता है?
(A) शुद्ध वर्तनी (B) सुलेख
(C) श्रुतलेख (D) आशु भाषण

59. निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षण सूत्र नहीं है?
(A) मूर्त से अमूर्त (B) ज्ञात से अज्ञात
(C) विश्लेषण से संश्लेषण (D) अनुकरण से अभ्यास

60. शिक्षक की महत्वपूर्ण विशेयता क्या होती है?
(A) सुंदर होना
(B) अच्छी बातें करना
(C) अपने विषय का पूर्ण ज्ञान होना
(D) अनुशासन का पक्का होना

PART—B
Language-I—Oriya

ନିମ୍ନଲିଖିତ ଗଦ୍ୟାଂଶଟି ପଢ଼ି 31 ରୁ 39 ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପ୍ରଶ୍ନଗୁଡ଼ିକର ଉତ୍ତର ଦିଅ।

ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଅ, ଆ, କ, ଖ ପ୍ରଭୃତି ବର୍ଣ୍ଣମାଳାକୁ ଦୁଇଭାଗରେ ବିଭକ୍ତ କରାଯାଏ। (୧) ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣ, (୨) ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣ। ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣଗୁଡ଼ିକ ଅ, ଆ, ଇ, ଈ, ଉ, ଊ, ଏ, ଐ, ଓ, ଔ। ସଂସ୍କୃତ ଭାଷାରେ ଏଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟତୀତ ଋ, ୠ ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣ ଥିଲା। ଏହା ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାରେ ଠିକ୍ ଉଚ୍ଚାରିତ ହୁଏ ନାହିଁ। ସଂସ୍କୃତର ଋ, ୠ, କୁ ଉଚ୍ଚାରଣ କଲାବେଳେ ଓଡ଼ିଆଭାଷୀ ଲୋକ 'ଋ'ରେ 'ଉ' ଯୁକ୍ତକରି ଓ 'ଲ'ରେ 'ଉ' ଯୁକ୍ତକରି ଉଚ୍ଚାରଣ କରିଥା'ନ୍ତି। ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣ ଦୁଇପ୍ରକାର, ହ୍ରସ୍ୱ ଓ ଦୀର୍ଘ। ହ୍ରସ୍ୱସ୍ୱରରେ ଗୋଟିଏ ମାତ୍ରା, ଦୀର୍ଘରେ ଦୁଇଟି ମାତ୍ରା। ଓଡ଼ିଆରେ 'ଅ'କୁ ହ୍ରସ୍ୱ ଓ ତା'ର ଅନୁରୂପ ଦୀର୍ଘସ୍ୱରକୁ 'ଆ' ବୋଲି ଧରାଯାଇଥାଏ। କିନ୍ତୁ ଏହା ଠିକ୍ ନୁହେଁ। 'ଅ'ର ଅନୁରୂପ ଦୀର୍ଘସ୍ୱର 'ଆ' ନୁହେଁ। ସଂସ୍କୃତର 'ନଦୀ' 'ବଧୂ' ପ୍ରଭୃତି ଦୀର୍ଘ ସ୍ୱରାନ୍ତଗୁଡ଼ିକୁ ଓଡ଼ିଆଭାଷୀ ଲୋକ ସାଧାରଣତଃ ହ୍ରସ୍ୱସ୍ୱରାନ୍ତ ଭାବରେ ଉଚ୍ଚାରଣ କରିଥାଏ। ଓଡ଼ିଆରେ ଏ, ଓ ସାଧାରଣତଃ ହ୍ରସ୍ୱସ୍ୱର ଭାବରେ ଉଚ୍ଚାରିତ ହୁଏ। ତୁଳନୀୟ- ଏକ, ଏଣୁଅ। ଓଡ଼ିଆରେ ଐ, ଔ ହେଉଛନ୍ତି ସନ୍ଧ୍ୟକ୍ଷର। ଅ, ଇ ମିଶି ଐକାର ହୋଇଥାଏ। ଅ, ଉ ମିଶି ଔ ହୋଇଥାଏ। ଅର୍ଥାତ୍ 'ଅ' 'ଇ'ର ଦ୍ରୁତ ଉଚ୍ଚାରଣରେ 'ଐ' ଏବଂ 'ଅ' 'ଉ'ର ଦ୍ରୁତ ଉଚ୍ଚାରଣରେ ଔ ହୋଇଥାଏ। ଐ, ଔ ବ୍ୟତୀତ କଥିତ ଓଡ଼ିଆରେ ଆଇ, ଆଉ, ଇଆ, ଇଏ, ଉଆ, ଉଇ, ଓଉ ପ୍ରଭୃତିକୁ ଦ୍ରୁତ ଉଚ୍ଚାରଣରେ ଅଳ୍ପ କେତୋଟି ସନ୍ଧ୍ୟକ୍ଷର (diphthong)ର ବ୍ୟବହାର ଅଛି। କିନ୍ତୁ ସେଗୁଡ଼ିକର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଲିପି ନାହିଁ। ବର୍ଗର ୧ମ ଓ ୩ୟ ଦୁଇଟି ବର୍ଣ୍ଣକୁ ଅଳ୍ପପ୍ରାଣ ଓ ୨ୟ, ୪ର୍ଥ ବର୍ଣ୍ଣକୁ ମହାପ୍ରାଣ କହନ୍ତି। ଅଳ୍ପପ୍ରାଣ ଉଚ୍ଚାରଣ ଅପେକ୍ଷା ମହାପ୍ରାଣ ବର୍ଣ୍ଣ ଉଚ୍ଚାରଣରେ ମୁହଁବାଟେ ଅଧିକ ପବନ ଯାଏ। ସ୍ୱର ଏବଂ ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣ ବ୍ୟତୀତ ଓଡ଼ିଆରେ ୟ, ର, ଲ, ୱ, ସ, ହ ଉଚ୍ଚାରିତ ହୁଏ, ଏଗୁଡ଼ିକ ଅନ୍ତଃସ୍ଥ ବର୍ଣ୍ଣ। ଏତଦ୍‌ବ୍ୟତୀତ 'ଳ'ର ଉଚ୍ଚାରଣ ମଧ୍ୟ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ଗୋଟିଏ ବୈଶିଷ୍ଟ୍ୟ। ୟ, ର, ଲ ପ୍ରଭୃତିକୁ ଅନ୍ତଃସ୍ଥ ବର୍ଣ୍ଣ କହିବାର ତାତ୍ପର୍ଯ୍ୟ ହେଉଛି, ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣ ଓ ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣର ମଧ୍ୟବର୍ତ୍ତୀ ଏଗୁଡ଼ିକର ସ୍ଥାନ। ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣ ଉଚ୍ଚାରଣରେ ବାୟୁ କୌଣସିଠାରେ ବାଧାପ୍ରାପ୍ତ ହୁଏ ନାହିଁ ବା ଅବରୁଦ୍ଧ ହୁଏ ନାହିଁ। ବ୍ୟଞ୍ଜନ ଉଚ୍ଚାରଣରେ ବାୟୁ ସ୍ପଷ୍ଟଭାବରେ ଅବରୁଦ୍ଧ ହୁଏ। କିନ୍ତୁ ଅନ୍ତଃସ୍ଥବର୍ଣ୍ଣ ଉଚ୍ଚାରଣରେ ବାୟୁର ପଥ ସଂକୀର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଯାଏ ବା ମୁଖବିବରରେ ବାୟୁର ପଥ ଅଳ୍ପ ଅବରୁଦ୍ଧ ହୁଏ। ତେଣୁ ଏହାକୁ ସ୍ୱର ଓ ବ୍ୟଞ୍ଜନର ମଧ୍ୟବର୍ତ୍ତୀ ବର୍ଣ୍ଣ କହିବା ଭୁଲ୍ ହେବ ନାହିଁ।

31. 'ସନ୍ଧ୍ୟକ୍ଷର' ପାଇଁ କେଉଁ ସନ୍ଧିଟି ଠିକ୍?

(A) ସନ୍ଧ୍ୟା + କ୍ଷର

(B) ସନ୍ଧି + ଅକ୍ଷର

(C) ସନ୍ଧ୍ୟ+କ୍ଷର

(D) ସନ୍+ଧକ୍ଷର

32. ଅନ୍ତଃସ୍ଥ ବର୍ଣ୍ଣ ଉଚ୍ଚାରଣ ବେଳେ ବାୟୁପଥର ସ୍ଥିତି କିପରି ଥାଏ?

(A) ପ୍ରଶସ୍ତ ହୋଇଥାଏ

(B) ଅବରୁଦ୍ଧ ହୋଇଥାଏ

(C) ସଂକୀର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଥାଏ

(D) ବେଗଯୁକ୍ତ ହୋଇଥାଏ

33. ନିମ୍ନ ମଧ୍ୟରୁ କେଉଁ ଦୁଇଟି ବର୍ଣ୍ଣକୁ ସନ୍ଧ୍ୟକ୍ଷର କୁହାଯାଏ?

(A) ଅ, ଆ

(B) ଇ, ଈ

(C) ଉ, ଊ

(D) ଐ, ଔ

34. କେଉଁ ବର୍ଣ୍ଣର ଉଚ୍ଚାରଣ ଓଡ଼ିଆ ଭାଷାର ଏକ ବୈଶିଷ୍ଟ୍ୟ?

(A) ସ

(B) ହ

(C) ୟ

(D) ଳ

35. ନିମ୍ନ ମଧ୍ୟରୁ କାହାର ସ୍ୱତନ୍ତ୍ର ଲିପି ନାହିଁ?

(A) ସ୍ପର୍ଶବର୍ଣ୍ଣ

(B) ସନ୍ଧ୍ୟକ୍ଷର

(C) ଯୁକ୍ତବର୍ଣ୍ଣ

(D) ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣ

36. ମହାପ୍ରାଣ ବର୍ଣ୍ଣର ଉଚ୍ଚାରଣ ବେଳେ କେଉଁବାଟେ ଅଧିକ ପବନ ଯାଇଥାଏ?

(A) ନାକବାଟେ

(B) ମୁହଁବାଟେ

(C) କାନବାଟେ

(D) କୌଣସିଟି ନୁହେଁ

37. ଏଥିମଧ୍ୟରୁ କେଉଁ ଦୁଇଟି ମହାପ୍ରାଣ ବର୍ଣ୍ଣ?

(A) କ, ଗ

(B) ଚ, ଜ

(C) ତ, ପ

(D) ଘ, ଫ

PART—B
Language-I—Oriya

38. ଦୀର୍ଘସ୍ୱରରେ କେତୋଟି ମାତ୍ରା ଥାଏ ?
(A) ଦୁଇଟି
(B) ଗୋଟିଏ
(C) ତିନୋଟି
(D) ଆଦୌ ନଥାଏ

39. ଅ, ଆ, ଇ, ଈ, ଉ, ଊ ବର୍ଣ୍ଣମାଳାକୁ କେଉଁ ବର୍ଣ୍ଣ କୁହାଯାଏ ?
(A) ଯୁକ୍ତବର୍ଣ୍ଣ
(B) ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣ
(C) ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣ
(D) ଅଯୋଗବାହ ବର୍ଣ୍ଣ

ନିମ୍ନଲିଖିତ ପଦ୍ୟାଂଶଟିକୁ ପଢ଼ି 40 ରୁ 45 ପ୍ରଶ୍ନର ଉତ୍ତର ଦିଅ।

ମାନବ ଜୀବନ ରାଜ୍ୟେ ମନ ନରପତି
ନ୍ୟାୟଦେବ ସେ ରାଜ୍ୟର ଉପଯୁକ୍ତ ମନ୍ତ୍ରୀ
ବୁଦ୍ଧି, ବିବେଚନା, ଧୃତି, ରାଜସଭାସଦ,
ବ୍ୟବସ୍ଥା ଦିଅନ୍ତି ଯହିଁ ନ ହେବ ଆପଦ।
ଜ୍ଞାନେନ୍ଦ୍ରିୟ ପଞ୍ଚ ତହିଁ ରାଜ ପରିଜନ
ପରଜା ଅଟନ୍ତି ମାତ୍ର କର୍ମେନ୍ଦ୍ରିୟଗଣ।

40. ରାଜ ପରିଜନ ଭାବେ କାହାକୁ କୁହାଯାଇଛି ?
(A) ପରଜା
(B) ସଭାସଦ
(C) ପଞ୍ଚ ଜ୍ଞାନେନ୍ଦ୍ରିୟ
(D) ମନ୍ତ୍ରୀ

41. ସେ ରାଜ୍ୟର ଉପଯୁକ୍ତ ମନ୍ତ୍ରୀ କିଏ ?
(A) ଅର୍ଥଦେବ
(B) ଧର୍ମଦେବ
(C) ନ୍ୟାୟଦେବ
(D) ବିଶ୍ୱଦେବ

42. 'ରାଜସଭାସଦ' କେଉଁ ସମାସ ?
(A) ଷଷ୍ଠି ତତ୍‌ପୁରୁଷ
(B) ବହୁବ୍ରୀହି
(C) ଅବ୍ୟୟିଭାବ
(D) ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱ

43. ମାନବ ଜୀବନ ରାଜ୍ୟର ନରପତି ବୋଲି କାହାକୁ କୁହାଯାଇଛି ?
(A) ଜୀବନକୁ
(B) ମନକୁ
(C) ମାନବକୁ
(D) ରାଜ୍ୟକୁ

44. ଧୃତି ଶବ୍ଦର ଅର୍ଥ କ'ଣ ?
(A) ଧ୍ୟାନ
(B) ଧୈର୍ଯ୍ୟ
(C) କ୍ଷମା
(D) ସହିଷ୍ଣୁତା

45. 'ଜ୍ଞାନେନ୍ଦ୍ରିୟ' ଶବ୍ଦଟିର ସନ୍ଧିବିଚ୍ଛେଦ କଲେ କ'ଣ ହେବ ?
(A) ଜ୍ଞାନେ + ନ୍ଦ୍ରିୟ
(B) ଜ୍ଞାନ + ନ୍ଦ୍ରିୟ
(C) ଜ୍ଞାନ+ ଇନ୍ଦ୍ରିୟ
(D) ଜ୍ଞା + ଇନ୍ଦ୍ରିୟ

46. 'ପ୍ରାଚ୍ୟ' ଶବ୍ଦଟିର ବିଶେଷ୍ୟପଦ କ'ଣ ହେବ ?
(A) ପ୍ରାଚୀ
(B) ପ୍ରଚେତ
(C) ପ୍ରାଚୀନ
(D) ପ୍ରତିଚ୍ୟ

47. ନିମ୍ନସ୍ଥ କେଉଁ ବର୍ଣ୍ଣ ମିଶି 'ଜ୍ଞ' ବର୍ଣ୍ଣ ହୋଇଛି ?
(A) ଜ୍ଞ + ଯ
(B) ଜ୍ଞ + ଜ
(C) ଜ୍ଞ + ଚ
(D) ଜ୍ଞ + ଯ୍ୟ

48. ନିମ୍ନଲିଖିତ ଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରୁ କେଉଁଟି ବ୍ୟଞ୍ଜନ ସନ୍ଧିଯୁକ୍ତ ?
(A) ସଂଯୋଗ
(B) ସୁଧାଂଶୁ
(C) ମୁନୀନ୍ଦ୍ର
(D) କ୍ଷୁଧାର୍ତ୍ତ

PART—B
Language-I—Oriya

49. 'ଧ୍ୱନିଜ୍ଞାନ' କେଉଁ ଭାଷା କୌଶଳ ଉପରେ ନିର୍ଭର କରେ ?
(A) ଶ୍ରବଣ
(B) କଥନ
(C) ପଠନ
(D) ଲିଖନ

50. ବ୍ୟାକରଣ ଶିକ୍ଷାଦାନ ପାଇଁ କେଉଁ ପଦ୍ଧତି ବ୍ୟବହୃତ ହୁଏ ?
(A) ଆଲୋଚନାମୂଳକ
(B) ବର୍ଣ୍ଣନାତ୍ମକ
(C) ଆରୋହହ ଓ ଅବରୋହ
(D) ପ୍ରଦର୍ଶନମୂଳକ

51. ନିମ୍ନ ଶବ୍ଦ ମଧ୍ୟରୁ କେଉଁଟି 'ଆକାଶ' ଶବ୍ଦର ସମାର୍ଥକ ଶବ୍ଦ ନୁହେଁ ?
(A) ତ୍ରିଦିବ
(B) ବିଭାବସୁ
(C) ସୁରପଥ
(D) ନଭ

52. ପାଠଦାନ ମଧ୍ୟରେ ଯେଉଁ ପ୍ରଶ୍ନ କରାଯାଏ- ତାହାକୁ କିପ୍ରକାର ପ୍ରଶ୍ନ କୁହାଯାଏ ?
(A) ଲବ୍ଧଜ୍ଞାନ ପ୍ରଶ୍ନ
(B) ବୋଧଜ୍ଞାନ ପ୍ରଶ୍ନ
(C) ନିଦାନ ପ୍ରଶ୍ନ
(D) ମୂଲ୍ୟାୟନ ପ୍ରଶ୍ନ

53. ରାଜର୍ଷି - କେଉଁ ସମାସ ?
(A) ଦ୍ୱନ୍ଦ୍ୱ
(B) କର୍ମଧାରୟ
(C) ଦ୍ୱିଗୁ
(D) ତତ୍ପୁରୁଷ

54. 'ଅକ୍ଷର' ଶବ୍ଦର ବିଶେଷଣ ରୂପ କ'ଣ ହେବ ?
(A) ସାକ୍ଷର
(B) ସ୍ୱାକ୍ଷର
(C) ଆକ୍ଷରିକ
(D) ଅଣାକ୍ଷର

55. ନିମ୍ନଲିଖିତ କେଉଁଟିକୁ ପଦ୍ୟ ଶିକ୍ଷାଦାନର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରୂପେ ଗ୍ରହଣ କରାଯାଏ ?
(A) ବ୍ୟାକରଣ ଜ୍ଞାନର ଅଭିବୃଦ୍ଧି
(B) ଅଧିକ ପଠନ ପାଇଁ ଆଗ୍ରହ ବୃଦ୍ଧି
(C) ସୌନ୍ଦର୍ଯ୍ୟବୋଧର ବିକାଶ
(D) ଚରିତ୍ର ଉପରେ ଗୁରୁତ୍

56. ଉଚ୍ଚପଠନର ଆବଶ୍ୟକତା କ'ଣ ପାଇଁ ?
(A) ଶବ୍ଦର ଶୁଦ୍ଧ ଉଚ୍ଚାରଣ
(B) ପଠନର ଗତିବେଗ
(C) ଆଳସ୍ୟ ଦୂରୀକରଣ
(D) ଶ୍ରେଣୀ ଶୃଙ୍ଖଳାରକ୍ଷା

57. 'କବି' ଶବ୍ଦର ସ୍ତ୍ରୀଲିଙ୍ଗ ଶବ୍ଦ କ'ଣ ହେବ ?
(A) କବିୟିତ୍ରୀ
(B) କବିୟତ୍ରୀ
(C) କବୟିତ୍ରୀ
(D) କବିତ୍ରୀ

58. ବ୍ୟଞ୍ଜନବର୍ଣ୍ଣର ଉଚ୍ଚାରଣ ସ୍ଥାନ ଅନୁଯାୟୀ 'ତ' ବର୍ଗର ବର୍ଣ୍ଣଗୁଡ଼ିକୁ କ'ଣ କୁହାଯାଏ ?
(A) କଣ୍ଠ୍ୟବର୍ଣ୍ଣ
(B) ତାଲବ୍ୟବର୍ଣ୍ଣ
(C) ଦନ୍ତ୍ୟବର୍ଣ୍ଣ
(D) ଓଷ୍ଠ୍ୟବର୍ଣ୍ଣ

59. କେଉଁପ୍ରକାର ମୂଲ୍ୟାୟନରେ ପାଠ୍ୟକ୍ରମ ବହିର୍ଭୂତ ପ୍ରଶ୍ନ ଦିଆଯାଇଥାଏ ?
(A) ଲବ୍ଧଜ୍ଞାନ ପରୀକ୍ଷଣ
(B) ବୋଧଜ୍ଞାନ ପରୀକ୍ଷଣ
(C) ଉପଲବ୍ଧି ପରୀକ୍ଷଣ
(D) ସାମଗ୍ରିକ ମୂଲ୍ୟାୟନ

60. ନିମ୍ନଲିଖିତ ସ୍ୱରବର୍ଣ୍ଣ ମଧ୍ୟରୁ କେଉଁଗୁଡ଼ିକ ହ୍ରସ୍ୱସ୍ୱର ?
(A) ଆ, ଈ, ଊ, ଋ
(B) ଅ, ଇ, ଉ, ଋ
(C) ଏ, ଐ, ଓ, ଔ
(D) ଇ, ଉ, ଏ, ଓ